सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 311 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 19 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश किया जा सकता है।
– हेलेन केलर

मेरे लिए संन्यास सुकून का... 7 | ये घटनाएं बयां कर रही पुरुषों... 3 | यूपी में चारों ओर भ्रष्टाचार का... 2

अंबेडकर के अपमान पर हंगामे के बाद अब सांसदों में धक्का-मुक्की राहुल को धक्का, खरगे को चोट

» भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार

» भाजपा सांसद प्रताप सारंगी गिरे, सिर पर लगी चोट, बोले- राहुल ने मारा धक्का

» कांग्रेस बोली- संसद में अंदर जाने से रोक रहे थे भाजपाई

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में गृहमंत्री अमितशाह के बयान पर पूरे देश में दूसरे दिन भी बवाल जारी रहा। सड़क से लेकर संसद तक जनता व विपक्षी दल उनके खिलाफ धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। अब इन सबके बीच संसद में भाजपा व कांग्रेस में धक्कामुक्की की खबरें आने के बाद सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि उनके नेता राहुल गांधी को भाजपा के लोगों ने सदन में जाने रोका और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को चोट पहुंचाई। जबकि भाजपा कह रही है उनके सांसद प्रताप सारंगी व मुकेश राजपूत को नेता प्रतिपक्ष ने धक्का दिया जिससे उनके सिर पर चोट आई।

दरअसल, संसद का सत्र शुरू होते ही गुरुवार को भारी हंगामा हुआ और भाजपा ने राहुल गांधी पर उसके एक सांसद को घायल करने का आरोप लगाया। जिसे लोकसभा में विपक्ष के नेता ने खारिज कर दिया और कहा कि भाजपा सांसदों ने उन्हें संसद परिसर में प्रवेश करने से रोका।

बीजेपी सांसद ने मुझे रोकने, धक्का देने और धमकी देने की कोशिश की : राहुल गांधी

लोकसभा नेता राहुल गांधी ने अपनी सफाई में कहा कि यह आपके कैमरे में हो सकता है। मैं संसद के प्रवेश द्वार से अंदर जाने की कोशिश कर रहा था, बीजेपी सांसद मुझे रोकने, धक्का देने और धमकी देने की कोशिश कर रहे थे। इसलिए यह हुआ (मल्लिकार्जुन खरगे को धक्का दिया जा रहा था) हां, यह हुआ है। लेकिन यह प्रवेश द्वार है और हमें अंदर जाने का अधिकार है। केंद्रीय मुद्दा यह है कि वे संविधान पर हमला कर रहे हैं और अंबेडकर जी की स्मृति का अपमान कर रहे हैं।

धक्का-मुक्की विवाद की जांच हो : खरगे

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा है कि मकर द्वार पर भाजपा सांसदों ने उन्हें धक्का दिया और उनके घुटने में चोट लग गई। उन्होंने स्पीकर से घटना की जांच करने का आग्रह किया है।

नीले रंग की टी-शर्ट पहनकर संसद पहुंचे नेता प्रतिपक्ष

अक्सर सफेद रंग टी-शर्ट पहनने वाले राहुल गांधी बृहस्पतिवार को नीले रंग की टी-शर्ट पहनकर संसद पहुंचे। उन्होंने कहा कि मुख्य मुद्दा यह है कि संविधान और बाबासाहेब की स्मृति का अपमान हुआ है। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने धक्का-मुक्की की, जिसके कारण उसके सांसद प्रताप सारंगी गिर गए और उनके सिर में चोट लग गई।

पागल हो गए हैं गृह मंत्री अमित शाह : लालू प्रसाद यादव

राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने गृह मंत्री अमित शाह पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमित शाह पागल हो गए हैं। उनके बयान को हमने सुना है, यह घृणा कार्य है। उन्हें फ़ौरन इस्तीफा दे देना चाहिए। इधर, लालू प्रसाद के बयान के बाद भाजपा के प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने जब

विपक्ष को आईना दिखाया तो कुछ लोग तिलमिला गए हैं। उन्होंने लालू प्रसाद को राजनीति का जोकर तक कह दिया। कहा कि आपलोग दलितों के हत्यारे हैं। कुर्सी के आप चरण वंदना कर रहे हैं। गृह मंत्री ने सच्चाई कही। आपलोगों ने बाबा साहब को हराने के काम किए। आपलोग राजनीतिक अपराधी हैं।

राहुल ने प्रताप सारंगी को दिया धक्का : निशिकांत

भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धक्का-मुक्की की जिसमें उसके सांसद प्रताप सारंगी के सिर पर चोट लग गई। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया। राहुल गांधी मारपीट करने के लिए बीच में घुसे थे। उनका व्यवहार मानो गुंडे का व्यवहार था, यह देश गुंडे को बर्दाश्त नहीं करेगा।

भाजपा वाले सबसे ज्यादा पाप करते हैं, उन्हें 'पुण्य' के बारे में चिंता करनी चाहिए : स्टालिन

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने संविधान को लेकर प्रमुख सहयोगी कांग्रेस पर हमला करने के लिये भारतीय जनता पार्टी या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिये बगैर उन पर जम कर निशाना साधा। संसद में संविधान पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री एवं भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर निशाना साधा था और कहा था कि उन्होंने संविधान और आंबेडकर के प्रति 'पाप' किया है। स्टालिन ने 'एक्स' पर लिखे एक पोस्ट में कहा, ''वे लोग जो सबसे ज्यादा पाप करते हैं, उन्हें 'पुण्य' के बारे में चिंता करनी चाहिए। जो लोग वास्तव में देश, नागरिक और संविधान की सुरक्षा के प्रति चिंतित हैं वे केवल बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर का ही नाम लेंगे। द्रविड़ पार्टी के प्रमुख ने अपने इस बयान का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है, लेकिन उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब प्रधानमंत्री ने आंबेडकर के प्रति कांग्रेस के 'पापों' को गिनाया और संसद में संविधान पर बहस के दौरान भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर हमला किया।

यूपी में चारों ओर भ्रष्टाचार का बोलबाला : शिवपाल

» बोले- राज्य में विकास ठप बजट की बंदरबांट हो रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने लखनऊ में भाजपा व सीएम योगी पर जमकर हमला बोला है। यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री ने कहा कि योगी सरकार में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। हर जगह बजट की बंदरबांट हो रही है। प्रदेश की सड़कों के गड्ढे बीते आठ साल में नहीं भरे गए हैं। वो योगी सरकार के मंत्री आशीष पटेल के ऊपर विभाग में अनियमितताओं को लेकर लग रहे आरोपों पर जबाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की बात नहीं सुन रही है। भ्रष्टाचार हर तरफ है। विकास का कोई काम नहीं हो रहा है। कई क्षेत्रों में बिजली सिर्फ छह से आठ घंटे तक ही आ रही है। अभी उपचुनाव में जीत के लिए सरकार ने जमकर बेईमानी की है।उन्होंने कहा कि भाजपा तानाशाही लाना चाहती है। हम समाजवादी हमेशा से ही इसके खिलाफ रहे हैं।

यूपी विधानमंडल सत्र के तीसरे दिन की कार्यवाही सपा नेताओं के हंगामे के साथ पूरी हो गई। तीसरे दिन बिजली के निजीकरण का मुद्दा छाया रहा। सपा नेताओं ने इसका विरोध करते हुए सवाल उठाए जिसका ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने जवाब दिया। यूपी विधानमंडल सत्र के तीसरे दिन की कार्यवाही सपा नेताओं के हंगामे के बाद स्थगित हो गई। सपा नेता ने कहा कि हमारी सरकार में बिजली व्यवस्था में सुधार हुआ था। इंफ्रास्टक्चर पर काम किया गया था। आज ये स्थिति है कि निजीकरण किया जा रहा है। इससे बिजली महंगी हो जाएगी। ऊर्जा विभाग पर सपा विधायक रागिनी सोनकर ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि समाजवादियों ने 17 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन किया।

कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा ने छुए सपा नेता शिवपाल सिंह यादव के पैर

सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले सभी दलों के नेता एक दूसरे से मिले। इस दौरान विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव के पैर छुए।

सपा विधायक प्रधान पूरे सत्र से निष्कासित, दिया धरना

विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन विधानसभा में स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे पर सत्तापक्ष व विपक्ष में तीखी नोक झोंक हुई। सपा सदस्यों ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पर निशाना साधा तो उन्होंने भी करारा जवाब दिया। आरोप-प्रत्यारोप के बीच सपा सदस्य अध्यक्ष के आसन के सामने आकर नारेबाजी करने लगे। मना करने के बाद भी नारेबाजी करते रहने पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सपा विधायक अतुल प्रधान को पूरे सत्र के लिए निष्कासित कर दिया। उधर अपने निष्कासन के खिलाफ सपा नेता प्रधान ने हजरतगंज में डॉ. अंबेडकर की मुर्ति के सामने उनकी तस्वीर के साथ धरना दिया। इससे पहले कल अध्यक्ष के आदेश पर मार्शल विधायक को उठाकर सदन से बाहर ले गए। दरअसल, विधानसभा में सपा सदस्यों ने झांसी स्थित मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में नवजात शिशुओं की मौत और निजी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा उपकरणों से जुड़े मुद्दे उठाए। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक जवाब देने के लिए खड़े हुए तो सपा सदस्यों ने टीका टिप्पणी शुरू कर दी। सपा विधायकों ने सवाल उठाते समय उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की ओर इशारा करते हुए कहा कि वे सीधा जवाब देने के बजाय आक्रोशित हो जाते हैं। ब्रजेश पाठक ने कहा कि सदस्यों को यह पता होना चाहिए कि पीएचसी में इमरजेंसी नहीं होती है। उन्होंने सदन को गुमराह करने की बात कही और नेता प्रतिपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा कि आपके भी इस पर हस्ताक्षर हैं। इसी बीच सपा विधायक महबूब अली ने उन्हें टोका तो चुटकी लेते हुए कहा कि अभी दवा ले लिए हैं क्या? इस पर सपा सदस्यों ने उप मुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप और असंसदीय शब्दों का प्रयोग करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। वे सदन से बहिर्गमन कर गए। कुछ देर बाद लौटे और बेल में धरना शुरू कर दिया।

विशेष सत्र बुलाए आप सरकार : उपराज्यपाल

उपराज्यपाल ने सीएम आतिशी को पत्र लिखकर जताई नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर विधानसभा में सीएजी रिपोर्ट पेश करने में जानबूझकर चूक करने को लेकर सरकार की आलोचना की है। और 19 या 20 दिसंबर को सदन का विशेष सत्र बुलाने की सलाह दी है। मंगलवार को लिखे अपने पत्र में सक्सेना ने आरोप लगाया कि पिछले दो वर्षों में 14 रिपोर्ट पेश करने में निर्वाचित सरकार की ओर से जानबूझकर चूक की गई है।

एलजी ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि सामान्य तौर पर, एक वर्ष में कम से कम तीन सत्रों के लिए विधानसभा का सत्र बुलाया जाता है, लेकिन यह विधायी प्रथा का मजाक है कि दिल्ली सरकार ने पांच वर्षों में केवल पांच सत्र बुलाए। एलजी ने आगे कहा कि दिल्ली विधानसभा के पांचवें सत्र का तीसरा भाग चार दिसंबर को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था, लेकिन अभी तक स्थगित नहीं किया गया है। एलजी ने सीएम को लिखे पत्र में कहा कि सदन का नेता होने के नाते, स्पीकर के परामर्श से सीएजी रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखने के लिए 19 या 20 दिसंबर को विधानसभा की विशेष बैठक बुला सकते हैं, क्योंकि इस मामले में अधिक देर हो रही है और आठवीं विधानसभा के लिए चुनाव होने वाले हैं। एलजी ने कहा कि मौजूदा विधानसभा और निर्वाचित सरकार का कार्यकाल फरवरी 2025 में समाप्त होने वाला है। यह मुद्दा वर्तमान में विचाराधीन है क्योंकि विपक्षी भाजपा विधायकों ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की है, जिसमें निर्वाचित सरकार को विधानसभा में रिपोर्ट पेश करने का निर्देश देने की मांग की गई है। मंगलवार को याचिका दायर करने वाले विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने आप सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर सरकार 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट पेश करने के लिए विशेष सत्र बुलाने में विफल रही तो भाजपा फिर से उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी।

झारखंड : कांग्रेस विधायक दल के नेता चुने गए प्रदीप यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झारखंड। झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा नीत सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने गुरुवार को पोड़ैयाहाट से विधायक प्रदीप यादव को विधायक दल का नेता नामित किया। खिजरी से विधायक राजेश कच्छप को कांग्रेस विधायक दल का उपनेता नामित किया गया। विधानसभा सत्र के अंतिम दिन अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने उनके नामों को मंजूरी दी।

कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सीलबंद लिफाफे में नाम अध्यक्ष को भेजे थे। प्रदीप यादव ने मीडिया से कहा, मैं इस जिम्मेदारी के लिए पार्टी के केंद्रीय और राज्य नेतृत्व को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं नेतृत्व को आश्वास्त करना चाहता हूं कि मैं पार्टी को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। उन्होंने पोरियाहाट सीट पर भारतीय जनता पार्टी के देवेंद्रनाथ सिंह को 34,130 मतों से हराया था।

भजनलाल और भाजपा ने पाप के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए : खाचरियावास

» प्रदेश में सीवर के पानी पर भड़की सियासत, कांग्रेस बोली- सरकार जांच कराए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में एक नया सियासी विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस कार्यकर्ता राजभवन का घेराव करने जा रहे थे तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन से सीवर का पानी छोड़ा। कांग्रेस के पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने यह आरोप लगाया है।

खाचरियावास ने बयान जारी कर कहा है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा सरकार ने आज तो पाप के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री यह बताएं कि शहीद स्मारक पर इकट्ठा हुए सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं पर सीवरेज का गंदा पानी क्यों फेंका गया। सीवरेज का गंदा पानी फेंकने के लिए किसने निर्देश दिए और यदि यह निर्देश सीवरेज का पानी फेंकने के मुख्यमंत्री ने दिए हैं, तो पूरे राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जहां भी जाएंगे वहां पर सब जगह उनका घेराव किया जाएगा। खाचरियावास ने कहा कि सरकार हमारी भी थी, लेकिन हमने कभी भी भाजपाइयों पर सीवरेज का गंदा पानी नहीं फेंका। खाचरियावास बोले कि पहले साल में ही सरकार की नीयत सामने आ गई है। सरकार जवाब दे सीवरेज का गंदा पानी क्यों फेंका और यदि उन्होंने फेंका है तो उसको स्वीकार करें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी फिर भाजपा की भाषा में ही बात करेगी, गंदे पानी के कारण कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता गीले हो गए। कपड़ों में बदबू आ रही थी।

मप्र : जल जीवन मिशन में 40 फीसदी भ्रष्टाचार हुआ : सचिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र का गुरुवार को चौथा दिन है। सदन में खाद संकट पर चर्चा होगी। इसके अलावा, सदन में आज चार विषयों पर ध्यान आकर्षण प्रस्ताव लाए जाएंगे।

कांग्रेस ने भाजपा को घेरा

विधायक कैलाश कुशवाह आदिवासी क्षेत्रों में बढ़ते कुपोषण पर और विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह बिजली समस्याओं पर सदन का ध्यान आकर्षित करेंगे। वहीं जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस विधायकों का प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, सचिन यादव, नितेन्द्र सिंह समेत दर्जनो विधायक मौजूद रहे। नारेबाजी की गई। इस दौरान भ्रष्टाचार की नई कहानी, नलों में नहीं है पानी, के नारे लगाए गए। कांग्रेस का आरोप है कि जल जीवन मे 40 फीसदी भ्रष्टाचार हुआ है। सचिन यादव ने कहा कि जल जीवन मिशन में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है, जो निर्धारित मापदंड तय हुए तो वो पूरे नहीं किए गए हैं। जहां पानी की व्यवस्था हो गई है वहां अशुद्ध पानी पहुंच रहा है। सरकार सोती रही इसीलिए इतनी बड़ी योजना फैल हो गई है। भाजपा की योजनाएं एवं दावे सिर्फ कागजों तक सीमित हैं वो जनता तक नहीं पहुंच रही हैं। जल जीवन मिशन में अधिकारियों, भाजपा नेताओं - कार्यकर्ताओं ने 40 फीसदी तक भ्रष्टाचार किया है। गुरुवार को विधानसभा में खाद संकट पर चर्चा होगी। प्रदेश में किसानों को रबी फसल के लिए खाद नहीं मिलने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में उमंग सिंघार चर्चा उठाएंगे।

ये घटनाएं बयां कर रही पुरुषों पर भी हो रहा अत्याचार !

समाज की पुरुषों के प्रति होनी चाहिए जिम्मेदारी

अतुल सुभाष की आत्महत्या व सुसाइड नोट ने दिखाया आईना

» महिलाओं द्वारा अधिकारों के दुरुपयोग की सच्चाई भी सामने आई

रंजना ध्रुवप्रकाश

लखनऊ। हाल ही में बेंगलुरु में 34 वर्षीय आईआईटी इंजीनियर अतुल सुभाष ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने 24 पन्नों का सुसाइड नोट और 90 मिनट का वीडियो छोड़ा, जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी, सास, साले और ससुर को इस कदम के लिए जिम्मेदार ठहराया। सुसाइड नोट में अतुल ने लिखा कि उनकी पत्नी और ससुरालवाले उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे, जिसके कारण वे गंभीर तनाव में थे।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी पत्नी ने उन पर झूठे मामले दर्ज कराए और तीन करोड़ रुपये की मांग की थी। यह मामला समाज में वैवाहिक संबंधों में उत्पीड़न और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर गंभीर चर्चा का विषय बन गया है। भारत जैसे देश में, जहां पारंपरिक रूप से पुरुषों को घर और समाज का मुख्य आधार माना जाता है, वहां उनकी प्रधानता का असर समाज के हर हिस्से में दिखता है। हालांकि, यह धारणा कि पुरुषों के साथ कोई अत्याचार नहीं होता, पूरी तरह से सत्य नहीं है। समाज में महिलाओं के अधिकारों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाए गए कुछ कानूनों का दुरुपयोग भी पुरुषों के लिए पीड़ा का कारण बन सकता है। महिलाओं की तरह पुरुषों पर भी अत्याचार देखने को पाए जाते है।

शादी के सात फेरों को बनाया मजाक

आज तो हालात ऐसे हैं कि सात जन्मों तक चलने वाला रिश्ता एक जनम भी ठीक से नहीं चल पा रहा। शादी के सात फेरों को मजाक बना दिया गया है। घर घर में टूटन है, अत्याचार है। या तो पुरुष स्त्री पर अत्याचार कर रहे हैं, या फिर स्त्री पुरुष पर अत्याचार कर रही है, सभी अपने अपने घर की कलह पर पर्दा डालने में जुटे हुए हैं, लेकिन सच यह है कि शायद ही कोई घर ठीक से चल पा रहा, क्योंकि पति-पत्नी के रिश्ते के बीच जो प्यार, भरोसा, समर्पण और साथ ही जीने-मरने का संकल्प था, वह समाप्त हो चुका है. आप कुछ पुरानी परंपराओं को दकियानूसी कहें, बकवास कहें, फिजूल कहें, निरर्थक कहें, पुरुषप्रधान सोच कहें, स्त्री का शोषण कहें, जो भी कहना चाहें, कहने की स्वतंत्रता तो आपको रहेगी, लेकिन उनके कुछ मायने थे, जिनके कारण पति-पत्नी के संबंध अटूट होते थे और दोनों के बीच का सामंजस्य और समर्पण-भाव अद्भुत होता था। जिस दिन बेटी अपने पिता के घर से विदा होकर पति के घर जाती थी, उस दिन से पिता के घर के लिए परायी हो जाती थी बेटी. सुनने में भले ही यह बात संवेदनहीनता और अन्याय से भरी लगती हो, लेकिन पिता के घर के लिए परायी हो जाना ही उस बेटी के मन में पति के घर-परिवार को अपना समझने की चेतना पैदा करती थी।

मानसिक और भावनात्मक शोषण

समाज में पुरुषों से यह उम्मीद की जाती है कि वे भावनात्मक रूप से मजबूत रहें। इस कारण, उनकी मानसिक और भावनात्मक परेशानियों को नजरअंदाज कर दिया जाता है। आत्महत्या के मामलों में पुरुषों का प्रतिशत महिलाओं से ज्यादा है। इसका बड़ा कारण यह है कि पुरुष अपनी समस्याओं को खुलकर व्यक्त नहीं कर पाते। पितृत्व के अधिकारों का हनन तलाक और बच्चे की कस्टडी जैसे मामलों में अक्सर यह मान लिया जाता है कि पुरुष दोषी हैं। बच्चों की कस्टडी आमतौर पर मां को दी जाती है, भले ही पिता उसकी बेहतर परवरिश कर सके।

झूठे मुकदमों में फंसाना

महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए बनाए गए कानून, जैसे दहेज निषेध कानून (498) और घरेलू हिंसा अधिनियम, कई बार झूठे आरोप लगाने के लिए उपयोग किए जाते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट्स से पता चलता है कि इन मामलों में बहुत सारे पुरुष निर्दोष साबित होते हैं, लेकिन तब तक उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा, मानसिक स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति बुरी तरह प्रभावित हो चुकी होती है।

महिलाओं द्वारा अधिकारों का दुरुपयोग बढ़ा

महिलाओं को समाज में बराबरी दिलाने के लिए कई मजबूत कानून बनाए गए हैं, लेकिन उनका गलत उपयोग गंभीर चिंता का विषय बन चुका है।

आर्थिक शोषण भी तेजी से

तलाक या अलगाव के दौरान कई बार पुरुषों को अधिक गुजारा भत्ता देने के लिए मजबूर किया जाता है, भले ही वह वित्तीय रूप से सक्षम न हों।

समानता के नाम पर आधिपत्य जमाने की कोशिश

कुछ महिलाएं समानता के अधिकार का इस्तेमाल केवल अपने फायदे के लिए करती हैं। वे पुरुषों को दबाने की कोशिश करती हैं, बजाय उनके साथ समान व्यवहार करने के।

झूठे दहेज और बलात्कार के मामले

झूठे मामलों की वजह से न केवल निर्दोष पुरुष प्रभावित होते हैं, बल्कि असली पीड़ित महिलाओं की साख को भी नुकसान पहुंचता है। लॉ कमीशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, दहेज और बलात्कार के मामलों में झूठे आरोपों का प्रतिशत धीरे-धीरे बढ़ रहा है।

झूठे मामलों के लिए दंड का हो प्रवाधान

ऐसे मामलों में जहां महिलाओं द्वारा झूठे आरोप साबित हों, उनके लिए भी दंड का प्रावधान होना चाहिए ताकि कानून का दुरुपयोग रोका जा सके।

पुरुषों के लिए भी हेल्पलाइन और सपोर्ट सिस्टम हो

महिलाओं की तरह, पुरुषों के लिए भी हेल्पलाइन और कानूनी सहायता उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि वे अपनी समस्याओं को साझा कर सकें।

लैंगिक समानता न्यायसंगत तरीके से हो

समानता का मतलब यह नहीं है कि किसी एक वर्ग का पक्ष लिया जाए। महिलाओं और पुरुषों दोनों के अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए।

खत्म होनी चाहिए तलाक की व्यवस्था !

बेंगलुरू की एक कंपनी में काम करने वाले इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या की कहानी दर्दनाक और भयावह तो है ही, भारत में पति-पत्नी के बिगड़ते संबंधों पर नए सिरे से सोचने के लिए हमें विवश भी कर रही है। कई पत्नियों पर भी अत्याचार अवश्य होते होंगे, लेकिन आज की एक भयावह सच्चाई यह भी है कि अनेक पतियों पर भी कम अत्याचार नहीं हो रहे। हाल में देखने को आया कि पति व पत्नी में जब विवाद बढ़ता है महिलाएं तलाक मांगती उसमें वह भरण पोषण के नाम पर शोषण करती हैं ऐसे में तलाक की व्यवस्था खत्म होनी चाहिए। विडंबना यह कि ज्यादातर पति अपने ऊपर हो रहे अत्याचारों के सच को किसी के सामने ला भी नहीं पाते, क्योंकि उनके सच को समाज हेय दृष्टि से देखता है कि कैसा मर्द है, एक औरत तक न संभाली जा रही इससे! लेकिन आज के पुरुष से औरत संभाली कैसे जाए, क्योंकि पति-पत्नी के रिश्तों में पाश्चात्य संस्कृति से उधार लिया हुआ कानून जो घुस गया है, अब यदि पुरुष औरत को संभालने के प्रयास करेगा, तो उसे अत्याचारी बताती हुई औरत कानून में चली जाएगी और फिर उल्टे पुरुष पर ही शुरू हो जाएगा दोहरे अत्याचार का सिलसिला। जब तक पति-पत्नी के बीच पाश्चात्य संस्कृति से उधार लिया हुआ यह कानून नहीं घुसा था, पति पत्नी को संभाल लेते थे और पत्नियां भी पतियों को संभाल लेती थीं। दोनों मिलकर घर को संभाल लेते थे। एक दूसरे के साथ रहते हुए सुख-दुख, हर्ष-विषाद सब कुछ एक जनम नहीं, सात जन्मों या जनम जनम तक सह लेने का हौसला रखते थे। पाश्चात्य प्रभाव वाले कानूनों की अनुपस्थिति में इक्क-दुक्का कुछ घटनाएं होती रही होंगी, जिनके आधार पर पाश्चात्य संस्कृति के दलालों ने बड़ी हायतौबा मचाई कि भारत में स्त्रियों पर बड़े अत्याचार हो रहे हैं। हालांकि हमने दो पीढ़ी पहले किसी के बारे में नहीं सुना कि किसी पति या पत्नी ने आत्महत्या कर ली या दूसरे की हत्या कर दी या किसी का किसी से तलाक हो गया। ये सारे चोंचले बीसवीं सदी में शुरू हुए और इक्कीसवीं सदी में भयावह रूप धारण कर चुके हैं।

समाज को ऐसा संतुलन बनाना होगा जहां दोनों का सम्मान हो : डी के ठाकुर

यह सच है कि समाज में महिलाओं को लंबे समय तक दबाया गया, और उनके अधिकारों की रक्षा करना अनिवार्य है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं होना चाहिए कि पुरुषों के साथ अन्याय हो। कानून और समाज को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी वर्ग के साथ भेदभाव या अत्याचार न हो। महिलाओं द्वारा अधिकारों का दुरुपयोग केवल पुरुषों के लिए ही नहीं, बल्कि समाज के लिए भी नुकसानदायक है। हमें एक ऐसा संतुलन बनाना होगा जहां पुरुष और महिला दोनों समान रूप से सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

संसद को सही से चलाने की जिम्मेदारी सरकार की!

संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र के 13वें दिन भी दोनों सदन हंगामों के बीच पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिए गए। यह स्थिति तब है, जब पिछले सप्ताह सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों में सहमति बनी थी कि सदन में कामकाज को बाधित नहीं होने दिया जाए। यह महसूस किया गया कि सदन ठप होने से कई जरूरी मसलों पर चर्चा नहीं हो पाती।

संसद का शीतकालीन सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सहमति के बावजूद दोनों सदन बार-बार स्थगित किए गए। अडानी मामले पर कांग्रेस के विरोध और सत्ता पक्ष के पलटवार से गतिरोध बना रहा। वाजपेयी सरकार के दौरान विपक्ष से सहयोग लेने जैसे उदाहरण आज कल्पना से परे हैं। उधर संविधान पर चर्चा के दौरान राज्य सभा में संविधान शिल्पी बाबा साहब भीम राव अंबेडकर पर गृहमंत्री के इस बयान जिसमें उन्होंने कहा था अंबेडकर का नाम लेना जैसे फैशन हो गया है उस बवाल भी मचा। विपक्ष ने इसे डा. अंबेडकर का अपमान बताया। देखाए जाए तो देश गृहमंत्री को इस तरह के बयान सदन में नहीं देना चाहिए था। करोड़ों भारतीयों को अच्छा जीवन देने के लिए डा.अंबेडकर एक उम्दा संविधान की रचा की है। गृहमंत्री को सोचना चाहिए कि इसी संविधान की वजह से वह देश के गृहमंत्री बन सके। अक्सर देखने को मिला है संसद में सिर्फ हंगामा होता है काम कभी देखने को नहीं मिलता है।

ऐसे में जनप्रतिनिधियों को इस परध्यान देना होगा कि जनता से जुड़े मुद्दों पर ज्यादा से ज्यादा बहस हो। संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र के 13वें दिन भी दोनों सदन हंगामों के बीच पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिए गए। यह स्थिति तब है, जब पिछले सप्ताह सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों में सहमति बनी थी कि सदन में कामकाज को बाधित नहीं होने दिया जाए। यह महसूस किया गया कि सदन ठप होने से कई जरूरी मसलों पर चर्चा नहीं हो पाती। अफसोस की बात यह है कि इन सबसे संसद के अंदर माहौल में कोई खास बदलाव नहीं आया। विपक्ष के आरोप तो अपनी जगह बने ही रहे, सत्ता पक्ष इसके जवाब में कांग्रेस नेतृत्व की कथित भारत विरोधी जॉर्ज सोरोस के संगठन से मिलीभगत के आरोपों को उसी आक्रामकता से उठाता दिखा। 2003 में जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने एक कूटनीतिक मामले में विपक्ष की मदद ली थी। वाजपेयी ने वामपंथी नेताओं को चाय पर बुलाया और उन्हें इराक में भारतीय फौज भेजने का विरोध के लिए मनाया। अमेरिका इसके लिए सरकार पर दबाव डाल रहा था। वाजपेयी इराक में भारतीय फौज नहीं भेजना चाहते थे, लेकिन साथ ही यह संदेश भी देना चाहते थे कि चूंकि देश में इस कदम का भारी विरोध हो रहा है, इसलिए वह मांग नहीं मान सकते। आज सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच ऐसे संबंध की कल्पना नहीं की जा सकती। असल में, लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद के अंदर कामकाज सुचारू ढंग से चलता रहे, यह सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी होती है, लेकिन सत्ता पक्ष पर इसका ज्यादा दायित्व होता है। ऐसे में बयानों और आरोपों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष का एक सा रवैया कोई अच्छी बात नहीं है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

क्या अब नीतियों में बदलाव लाएगी कांग्रेस?

उमेश चतुर्वेदी

संविधान पर संसद में विशेष बहस पर अपने नेताओं प्रियंका वाड्रा और राहुल गांधी के भाषणों को लेकर जिस वक्त कांग्रेस गद्गद् हो रही थी, उसी वक्त उस पर कश्मीर की वादियों से सियासी गर्मी का जबर्दस्त झोंका आया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को सीधे-सीधे सलाह दे डाली कि ईवीएम का रोना छोड़ो और अपनी हार को स्वीकार कर लो। दिलचस्प यह है कि लोकसभा के अपने पहले भाषण में संविधान पर चर्चा के दौरान प्रियंका वाड्रा ने कहा था कि ईवीएम हटा दो, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। प्रियंका के इस बयान के ठीक बाद सामने आए उमर अब्दुल्ला के ये शब्द महज बयान नहीं है, बल्कि इसके कई राजनीतिक अर्थ हैं। उमर के इस बयान को ममता बनर्जी और रामगोपाल यादव की अभिव्यक्ति की अगली कड़ी के रूप में रखा जा सकता है।

यहां एक बार फिर दोहरा देना उचित ही होगा कि इंडिया गठबंधन के अघोषित अगुआ को रूप में राहुल गांधी को नकार चुकी हैं और समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव कांग्रेस की अगुआई को ही नकार चुके हैं। उमर अब्दुल्ला ने अपने बयान के जरिए एक तरह से साफ कर दिया है कि कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व में उनका भरोसा नहीं है। आज की राजनीति जिस बिंदु पर पहुंच चुकी है, उसमें अगुआ की हर गलत-सही बात का समर्थन करना ही अनुयायियों की पहली शर्त बन गई है। तार्किक आधार पर समर्थन और विरोध की सोच को हमारे समाज ने सिरे से नकार दिया है। यह नकार राजनीति में सबसे ज्यादा नजर आता है। अगुआ की बात को अनुयायी ने स्वीकार नहीं किया तो उसे सीधे-सीधे नाफरमानी या अनुशासनहीनता माना जाता है। दलीय व्यवस्था में ऐसे नकार की सजा निष्कासन और निलंबन तय है। चूंकि इंडिया गठबंधन औपचारिक कोई दल नहीं, बल्कि दलों का समूह है, लिहाजा यहां वैसी अनुशासनिक व्यवस्था नहीं है। इसके बावजूद मोटे तौर पर गठबंधनों के बीच एक समझ रही है कि गठबंधन और उसके अगुआ की सेहत पर असर ना पड़े, ऐसी बयानबाजी से दूर रहा जाए।

लेकिन ममता बनर्जी, रामगोपाल यादव और उमर अब्दुल्ला के बयान के संदेश साफ हैं। संदेश यह है कि कांग्रेस की अगुआई में उन्हें नरेंद्र मोदी को चुनौती दे पाने की ताकत राहुल गांधी में नहीं दिखती। इन बयानों का एक

संदेश यह भी है कि राहुल गांधी की अगुआई में इन दलों का कम से कम राष्ट्रीय स्तर पर कोई भविष्य नहीं है। लेकिन उमर अब्दुल्ला इससे आगे का भी संकेत दे रहे हैं। ईवीएम के बहाने वे कांग्रेस को यह भी संदेश दे रहे हैं कि 'मीठा-मीठा गप और कड़वा-कड़वा थू' की वैचारिक सोच वाली राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। यह कैसे हो सकता है कि जिस ईवीएम के सहारे आप अमेठी और वायनाड जीतने के बाद आप जश्न में डूब सकते हैं, जिसके सहारे 55 से 99 सीटों पर पहुंच जाते हैं तो इसे अपनी भारी जीत बताते हैं, जिस ईवीएम के ही सहारे जब आप कर्नाटक, हिमाचल और झारखंड और यहां तक कि कश्मीर जीत जाते हैं तो इसे नरेंद्र मोदी की हार बताने लगते हैं, लेकिन अगर चुनावी रणनीति में मात खाने के बाद सत्ता की दौड़ में पीछे रह जाते हैं तो ईवीएम को दोषी ठहराने लगते हैं। यह दोहरापन नहीं चलने वाला। इसे जनता भी समझने लगी है। अगर ईवीएम पर इतना ही संदेह है तो संदेह करने वाले दलों को चाहिए कि वे ईवीएम के जरिए होने वाले चुनावों का बहिष्कार करें। इसके बाद अगर चुनाव होगा तो निश्चित है कि इस चुनाव की पवित्रता सवालों के घेरे में आ जाएगी। अगर ईवीएम पर संदेह करने वाले दल चुनाव प्रक्रिया से बाहर हो जाएं तो विपक्ष विहीन चुनाव को जनता भी स्वीकार नहीं कर पाएगी और उस चुनाव को सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अंग नहीं माना जा सकेगा। ऐसे में सरकार और चुनाव आयोग दबाव में आ सकते हैं। लेकिन ऐसा करने के लिए ईवीएम पर संदेह करने वाले दलों में साहस होना चाहिए। दुर्भाग्य से ऐसा साहस कोई दल दिखाता नजर नहीं आ रहा। इसकी वजह यह है कि कोई भी दल संसदीय राजनीति के उस रसूख को छोड़ने का साहस नहीं रखता, जो उसे सांसद या विधायक बनने के बाद हासिल होता है।

इन दलों और उनके नेताओं को पता है कि संसद और विधानमंडल से बाहर रहने के बाद उनकी बातें गौर से सुनीं नहीं जातीं और उनके शब्दों को तवज्जो भी नहीं मिलता। इसलिए वे ईवीएम पर सवाल भी उठा रहे हैं और उसी ईवीएम के जरिए संसदीय कुर्सियों पर भी काबिज रहना चाहते हैं। यह भी एक तरह से चारित्रिक दोहरापन ही है और उमर अब्दुल्ला का यह बयान उस दोहरापन से खुद को अलग करने की कोशिश भी हो सकता है। वैसे कांग्रेस के लोगों से ऑफ द रिकॉर्ड बात कीजिए तो वे भी मानते हैं कि चाहे ईवीएम का मुद्दा हो या किसानों का आंदोलन, उनके लिए सिर्फ कवरअप के मुद्दे हैं। कवरअप यानी बचाव का मुद्दा।

व्यावहारिक नीतियों से ही हासिल होंगे लक्ष्य

डॉ. यश गोयल

राजस्थान की भाजपा सरकार ने 2023-28 के लिए दस प्रमुख संकल्पों पर आधारित कार्ययोजनाएं बनाई हैं। इनमें प्रमुख रूप से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डालर बनाने, बुनियादी सुविधाओं का विकास, सुनियोजित क्षेत्रीय विकास, किसान परिवारों का आर्थिक सशक्तीकरण, बड़े उद्योगों और एमएसएमई को प्रोत्साहन, पर्यावरण संरक्षण, मानव संसाधन और स्वास्थ्य सेवाओं का सुधार, गरीब और वंचित परिवारों के लिए गरिमामय जीवन सुनिश्चित करना और पारदर्शी प्रशासन के लिए 'परफोर्म, रिफोर्म एण्ड ट्रांसफोर्म' का सिद्धांत लागू करना शामिल है। गत दिनों भजनलाल सरकार की 'राइजिंग राजस्थान इकोनोमिक समिट' में लगभग 32 देशों के आर्थिक विशेषज्ञों और सरकारी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस आयोजन में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू (सहमति ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समिट में 13 देशों ने राजस्थान को पार्टनर के रूप में चुना, जिनमें जापान, दक्षिण कोरिया, अमेरिका, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, रूस, जर्मनी, पोलैंड, सिंगापुर और स्पेन प्रमुख हैं।

प्रधानमंत्री ने उद्घाटन भाषण में कहा कि राज्य न केवल उभर रहा है, बल्कि विश्वसनीय और सकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाला भी है। उन्होंने यह भी बताया कि राजस्थान एमएसएमई सेक्टर में भारत के शीर्ष 5 राज्यों में शामिल है, जहां 27 लाख से ज्यादा छोटे उद्योग और 50 लाख से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं। इसके अलावा, राज्य इस दशक के अंत तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके साथ ही, नए उद्योग लगाने के लिये आश्वस्त किया कि राज्य में वन विंडो और अत्यंत पारदर्शी माहौल है। सरकार ने नौ नई पॉलिसियों के माध्यम से निवेशकों को विश्वास दिलाया है कि एमएसएमई, कलस्टर डेवलपमेंट, क्लीन एनर्जी, एक जिला एक उत्पाद, निर्यात प्रोत्साहन, पर्यटन, खनिज, एम-सैंड और एवीजीसी एक्सआर जैसे क्षेत्रों में व्यापार में कोई रुकावट नहीं आएगी।

फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में भीलवाड़ा में मक्का हब, बाड़मेर में इसबगोल और झालावाड़ में सोयाबीन अग्रणी उत्पाद बनने की संभावना है, यदि सही निवेश आता है। राजस्थान देश में सरसों की 50 प्रतिशत पैदावार करता है और टोंक जिला सालाना लगभग 6,000 करोड़ रुपये का तेल निर्यात करता है। अगर केंद्र और राज्य सरकार सरसों पर लगने वाला टैक्स हटा दें, तो उपभोक्ताओं को सस्ती दर पर खाद्य तेल मिल सकता है। इसके साथ ही, प्रवासी राजस्थानी उद्योगपतियों के कारोबार में परेशानी नहीं आए इसलिये राज्य सरकार ने एक 'प्रवासी विभाग' (मंत्रालय स्तर का) गठन की भी घोषणा की।

हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के समय जो रिसर्जेंट राजस्थान-2015 में लगभग 3.37 लाख करोड़ के जो 470-एमओयू हुए, उनमें से केवल 33,000 करोड़ ही धरातल पर उतरे। इसी तरह गहलोत सरकार के चौथे साल में जो इन्वेस्ट मीट 12.53 लाख करोड़ के एमओयू में से लगभग 26000 करोड़ के ही निवेश हुए। राजस्थान ही नहीं, अन्य राज्यों उ.प्र., मध्य प्रदेश, गुजरात में हुए इकोनोमिक समिट में 2 से 10 प्रतिशत निवेश हुआ है। इनके आयोजन पर कितना अधिकाधिक खर्च होता है, उसका सही हिसाब किसी सरकार ने नहीं किया। इसमें कोई दो राय नहीं कि राज्य में 8-9 माह की भयंकर गर्मियों में पानी और बिजली का संकट रहता है। पावरकट की मार उद्योगों को अधिक झेलनी पड़ती है। जमीनी जल उपलब्धता के साथ डार्क जोन बहुत हैं। शहरों के बीच सड़क और रेल मार्ग की दूरी अधिक है। पूर्वी राजस्थान में जयपुर, अलवर और एनसीआर में पहले से ही निवेश हो चुका है, क्योंकि वहां रीको का नीमराना और हरियाणा सीमा पर अच्छा प्रभुत्व है। पश्चिमी राजस्थान में जैसलमेर और बाड़मेर में सोलर ऊर्जा का इतना विस्तार हो चुका है कि वहां गोडावन और पक्षियों का जीवन खतरे में है। खनन और खनिज सेक्टर (बीकानेर, सिरोही, जालोर, जोधपुर और कोटा) में और अधिक संभावनाओं पर सुप्रीम कोर्ट की बार-बार की रोक के कारण संकट बना रहता है। राज्य के बड़े शहरों के बीच एयर कनेक्टिविटी बहुत कम उपलब्ध है, जो विदेशी निवेशकों के लिए एक बड़ी अड़चन है।

पर्यटन स्थलों पर अव्यवस्थित गतिविधियों को कोई सरकार सही नहीं कर पाई है। इंटरनेट पर पर्यटन और वन्यजीव सफारी के लिंक राज्य सरकार के आईटी सेल को फेल कर रहे हैं। विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने वाली पैलेस ऑन व्हील्स की आमदनी भी कमजोर हो गई है। राज्य में जयपुर में संचालित अधूरी मेट्रो ट्रेन अब तक लचर है। राज्य के कांग्रेस प्रमुख का मानना है कि इन एमओयू में से वही धरातल पर साकार होते हैं, जिन्हें राज्य सरकार मुफ्त में जमीन देती है। इसके अलावा, नौकरशाही की कार्यप्रणाली और पाबंदियां नए निवेश पर बहुत असर डालती हैं। अगर ये बाधाएं दूर हो जाएं तो औद्योगिक विकास को बढ़ावा देकर राज्य सरकार रोजगार उपलब्ध करा सकती है, गरीबी कम कर सकती है और जीवन स्तर को सुधार सकती है। वरना मरुस्थल का सूखा और प्यास इसी तरह बने रहेंगे।

इन जगहों पर मनाएं

नए साल का जश्न

भारत में नए साल 2025 का जश्न मनाने के लिए कई तरह की जगहें मौजूद हैं। जिनमें शांत हिल स्टेशन से लेकर जीवंत बीच टाउन शामिल हैं। चाहे आप रोमांच, संस्कृति या बस एक शांतिपूर्ण विश्राम की तलाश में हों, यहाँ भारत में घूमने के लिए 11 बजट-अनुकूल जगहें हैं जहाँ आप एक अविस्मरणीय नए साल का जश्न मना सकते हैं।

ऋषिकेश, उत्तराखंड

ऋषिकेश की शांत सुंदरता के बीच नए साल का जश्न मनाएं। अपने योग रिट्रीट, पवित्र गंगा और आध्यात्मिक माहौल के लिए जाना जाने वाला यह स्थान आंतरिक शांति के साथ साल की शुरुआत करने के लिए एकदम सही जगह है। किफायती आवास और सुंदर ट्रेक के साथ, ऋषिकेश एक बजट-अनुकूल लेकिन समृद्ध अनुभव प्रदान करता है।

मैकलॉडगंज हिमाचल प्रदेश

नए साल का जश्न मनाने के लिए मैकलॉडगंज जाएं। हिमालय की तलहटी में बसा यह इलाका तिब्बती संस्कृति, खूबसूरत ट्रेक और बजट गेस्टहाउस के साथ एक शांतिपूर्ण जगह है। शानदार नज़ारों का आनंद लें और बिना ज्यादा पैसे खर्च किए मठों का भ्रमण करें।

राजस्थान

जयपुर का शाही आकर्षण, शानदार महल और जीवंत बाज़ार इसे नए साल के लिए एक शानदार बजट-अनुकूल गंतव्य बनाते हैं। आमेर किला, हवा महल और सिटी पैलेस जैसी प्रतिष्ठित जगहों पर जाएं और अपने बटुए पर ज्यादा पैसे खर्च किए बिना पारंपरिक राजस्थानी व्यंजनों का आनंद लें।

अलेप्पी, केरल

अगर आप नए साल की शांतिपूर्ण छुट्टियां मनाने का सपना देख रहे हैं, तो अलेप्पी आपके लिए आदर्श जगह है। केरल के बैकवाटर में हाउसबोट क्रूज एक अविस्मरणीय अनुभव है जिसका आनंद बिना ज्यादा पैसे खर्च किए लिया जा सकता है। किफायती गेस्टहाउस और होमस्टे इसे प्रकृति प्रेमियों के लिए बजट के अनुकूल विकल्प बनाते हैं।

गोवा

गोवा में देर रात तक चलने वाले उत्सव, सस्ती शराब, समुद्र तट पर होने वाली शानदार आतिशबाजी, लाइव संगीत और मिलनसार स्थानीय लोग इसे नए साल की पूर्व संध्या के जश्न के लिए एक बेहतरीन जगह बनाते हैं। यह निस्संदेह क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या मनाने के लिए भारत में सबसे बेहतरीन जगहों में से एक है।

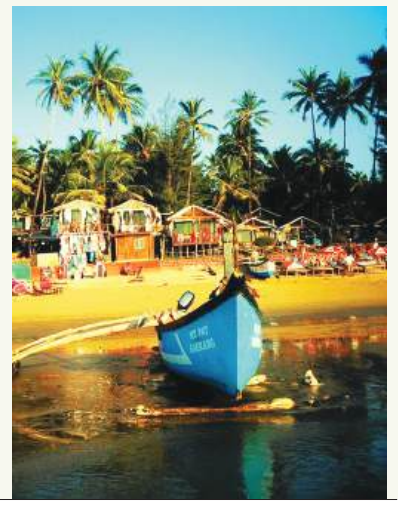

हंसना मना है

चिंटू: मम्मी प्लीज ये रस्सी अपनी जीभ से काट दो, मम्मी: बेवकूफ रस्सी जीभ से कैसे कट सकती है? चिंटू: क्यों? कल ही तो पापा कह रहे थे कि आपकी जुबान कैंची की तरह चलती है!

सास: बहू, ये पड़ोसन शकुंतला बहुत झूठी है उसकी बातों पर कभी भरोसा मत करना वैसे तुमसे सुबह क्या कह रही थी? बहू: वो कह रही थी कि तुम्हारी सास बहुत अच्छी है...

गोलू: आज के टेस्ट में तुम्हारे कितने नंबर आए? छोटू: पापा जी, मोटू से 20 नंबर कम आए हैं। पापा: अच्छा तो मोटू के कितने नंबर आए? छोटू: 20 नंबर।

पुलिस: तुमने एक ही दुकान में लगातार तीन दिन चोरी की। चोर: मैंने सिर्फ1 दिन अपनी बीवी के लिए एक सूट चोरी किया था। पुलिस: और बाकी? चोर: बाकी के 2 दिन तो मैं कलर बदलने गया था!

सोनू- शक की भी हद होती है यार मोनू- क्या हुआ भाई? सोनू- आज जब शाम को मैं ऑफिस से आया तो उस वक्त पड़ोसन मायके से आई मोनू- तो क्या हुआ? सोनू- दोनों को गली में देखकर पत्नी बोली लेने गये थे क्या?

लड़का: पता है, बस में बैठते हुए मैं किसी लड़की को खड़ा नहीं देख सकता
लड़की: तो फिर तुम क्या करते हो?
लड़का: मैं अपनी आंखें बंद कर लेता हूं....

कहानी | पक्के दोस्त

एक शेर और एक चूहा दोस्त थे। दोनों के घर पास-पास थे। एक दिन शेर को एक शिकार मिला। उसने चूहे को आवाज़ लगाई आओ दोस्त, मेरे साथ खाना खा लो। तुम्हें जो खाना है खाओ, मुझे इससे ज्यादा ज़रूरी काम करने हैं। बाहर से आवाज़ आई। शेर को बड़ा बुरा लगा। अगले ही दिन चूहे को शहद का एक डिब्बा मिला। वह खाने के लिए बैठा तो उसने शेर को आवाज़ लगाई, दोस्त, आओ मेरे साथ खाना खा लो। बाहर से उत्तर आया, मुझे नहीं खाना है, तुम्हीं खाओ अपना खाना। जा जा जाए साहा आजा खा साहा चछए, शा एछ चूहे को भी बड़ा बुरा लगा। लेकिन उसने कुछ नहीं कहा। दो दिन के बाद दोनों जंगल में मिले। दोनों की दोस्ती इतनी पक्की थी कि खाने वाली बात को भुलाकर वे फिर से एक साथ खेलने लगे। बातों-बातों में दोनों को पता चला कि शेर ने जब चूहे को आवाज़ लगाई थी तो उसने सुना ही नहीं था। न ही चूहे ने कोई रूखा जवाब दिया था। शेर ने भी यही बात चूहे को बताई। चूहे की आवाज़ न तो उसने सुनी थी, न ही कोई ख़राब-सा जवाब दिया था। ज़रूर कुछ गड़बड़ है। दोनों एक साथ बोले। हमको पता लगाना होगा कि कौन हम दोनों की दोस्ती तोड़ने की कोशिश कर रहा है। शेर गुस्से से दहाड़कर बोला। ठीक कहा, कोई तो है, जो हम दोनों को परेशान करना चाहता है। चूहे ने कहा। उनकी बातें छिपकर कोई सुन रहा था। तभी किसी के चुपके से भागने की आवाज़ आई। दोनों ने देखा कि यह तो लोमडी थी, जो भाग रही थी। शेर ने दहाड़कर कहा, रुक जा, नहीं तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा। ऐसा कहकर शेर ने लपककर लोमडी को पकड़? लिया। शेर ने चूहे से कहा, दोस्त, आज रात के खाने में मैं एक लोमडी पकाने वाला हूँ। रात का खाना तुम मेरे साथ खाना। चूहा बोला, ज़रूर आऊँगा मैं। ऐसा भोजन तो मैं छोड़ ही नहीं सकता! लोमडी घबरा गई। बेचारी माफी माँगने लगी। शेर ने कहा, सो उठक-बैठक करो ओर एक हजार बार बोलो-मैं अब किसी को तंग नहीं करूँगी। लोमडी बेचारी क्या करती। अपनी गूलती की सज़ा तो उसको मिलनी ही थी न। दो घंटे तक वह यही वाक्य दोहराती रही- अब में किसी को तंग नहीं करूँगी। शेर और चूहे की दोस्ती और भी पक्की हो गई।

सीख: अच्छे दोस्त किसी तीसरे के कहने से अपनी दोस्ती को खुत्म नहीं होने देते।

5 अंतर खोजें

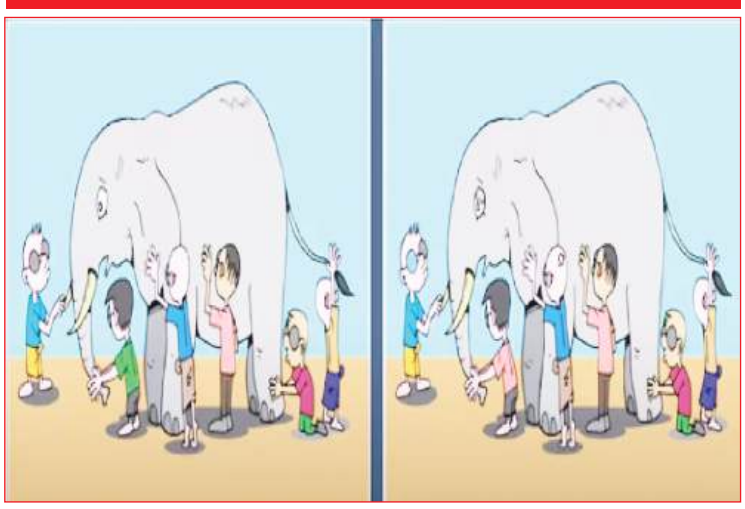

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे। आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी। सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है।

वृषभ

आप यह मान लेंगे कि कर्म का फल अवश्य मिलता है। आप दूसरों की तकलीफ समझते हैं। आप सबसे आगे चलते हुए अपने व्यक्तित्व की उदारता की भी नोट करेंगे।

मिथुन

आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे। आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे।

कर्क

दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

सिंह

आज लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है।

तुला

समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

वृश्चिक

विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

धनु

मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

मकर

कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कुम्भ

आज स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। व्यापार ठीक चलेगा।

मीन

प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

शादी के बाद लोगों के देखने का नजरिया बदल जाता है : शर्मिला

शर्मिला टैगोर ने अपने साथ हुई कुछ बातों को साझा किया है। शर्मिला ने कहा कि उन्हें अपने परिवार के बारे में पता होने से आत्मविश्वास था। उन्हें एक बुरी लड़की करार दिया गया क्योंकि वे समाज के अनुरूप नहीं चल रही थीं। उन्होंने कहा कि मंसूर अली खान पटौदी से शादी करने के बाद उनके बारे में धारणा बदल गई और जब उनके बच्चे हुए तो यह पूरी तरह से अलग हो गई। अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने बताया कि जब वे फिल्मों में शामिल हुई, तो सिनेमा में काम करना बहुत बुरा माना जाता था इसलिए शादी के बाद उन्होंने खुद को फिल्मों से अलग कर लिया। उनका अपना एक छोटा सा क्लब था। वे समाज से भी दूर रहते थे, क्योंकि यह बहुत ही आलोचनात्मक था। उन्होंने कहा, पुरुष अभिनेताओं को स्वीकार किया जाता था, लेकिन महिलाओं का सम्मान नहीं किया जाता था। उन्होंने कहा कि वे अलग तरह के परिवार से आती हैं। मैं जीएन टैगोर की बेटी हूं। मैं जानती हूं कि मैं कौन हूं और मेरे पास आत्मविश्वास भी है। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि लोग मेरे बारे में क्या सोचेंगे। मैं पहले भी ऐसी ही थी, जैसी अभी हूं। लोग अपनी सोच के साथ थे, वे अलग तरह से रहते थे, मैं वैसा नहीं करती थी जैसा लोगों को अच्छा लगता था इसलिए मैं बुरी लड़की थी। शर्मीला टैगोर ने कहा कि वे हर किसी को खुश करने के लिए नहीं बनी हैं। हालांकि, परिवार के समर्थन के कारण उन्हें लोगों की बातों का फर्क पड़ना बंद हो गया। उन्होंने कहा कि जब आपकी शादी हो जाती है तो लोगों का देखने का नजरिया कुछ बदल जाता है। मां बनने के बाद तो लोगों में और भी बदलाव आ जाते हैं।

ऑस्कर 2025 से बाहर हुई लापता लेडीज, फैंस हुए मायूस

लापता लेडीज भारत की ओर से ऑस्कर 2025 में शामिल हुई इकलौती फिल्म रही। ये फिल्म ग्रामीण क्षेत्र की परेशानी और वास्तविकता को दर्शाने वाली कहानी है। इस फिल्म को ऑस्कर में पहले ही राउंड से बाहर कर दिया गया। इसके बाद फैंस का गुस्सा सोशल मीडिया पर दिखाई दे रहा है।

लापता लेडीज फिल्म के ऑस्कर की रेस से बाहर होते ही फिल्म को फैंस के रिएक्शन मिल रहे हैं। फैंस का गुस्सा सोशल मीडिया पर साफ नजर आ रहा है। एक ने लिखा, मैं बिल्कुल सरप्राइज नहीं हूं, फिल्म को शॉर्टलिस्ट नहीं किया गया।

एक अन्य ने लिखा, भारत ने ऑल वी इमेजिन एज लाइट को लापता लेडीज के ऊपर प्रस्तुत किया और इसे शॉर्टलिस्ट किया गया। अफसोस, हम ऐसी दुनिया में हैं जो मूर्खतापूर्ण निर्णय लेती है। सच में, अपने आप को नुकसान पहुंचाने का यही तरीका है दोस्तों। एक अन्य ने लिखा अंदाजा लगाइए, ऑस्कर शॉर्ट लिस्ट से क्या

लापता हुआ है फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया कमेटी के लिए बहुत बड़ा सबक है। ऑल वी इमेजिन एज लाइट को सीधे ऑस्कर में भेज दिया गया। सोशल मीडिया पर फैंस ने कहा, लापता लेडीज की ही तरह ऑस्कर रेस से बाहर हो गई। एक और दिन जब हमें थोड़ा बाहर झांक कर देखना चाहिए। रेड कार्पेट और उस पोडियम पर ड्रेस्डरूटीम की 'कल्पना' करने का एक और दिन।

वहीं, ऑस्कर में विदेशी फिल्म श्रेणी में शॉर्टलिस्ट की गई टॉप 15 फिल्मों में फ्रांस की एमिलिया प्रेज, डेनमार्क की द गर्ल विद द नीडल, और संध्या सूरी की संतोष जैसी फिल्में शामिल हैं। रेस में अभी अन्य प्रतियोगी फिल्में टच, नीकैप, वर्मिग्लियो, फ्लो, आर्मंड, फॉम ग्राउंड जीरो, डा होमी, और हाउ टू मेक मिलियन्स बिफोर ग्रैंडमां डाइज जैसी फिल्में शामिल हैं।

6 जनवरी 2025 को रिलीज होगी शाहिद कपूर-तृप्ति डिमरी की ऐक्शन फिल्म देवा

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी परदे पर पहली बार साथ नजर आएंगे। सितारों के हाथ साजिद नाडियाडवाला की फिल्म लगी है, जिसका निर्देशन विशाल भारद्वाज कर रहे हैं। बुधवार 18 दिसंबर को इसकी रिलीज डेट का एलान हो गया है। साथ ही यह जानकारी भी आधिकारिक तौर पर दी गई है कि शूटिंग कब से शुरू होगी। फिल्म अगले साल दर्शकों के बीच पहुंचेगी। तारीख क्या होगी? जान लेते हैं...

साजिद नाडियाडवाला ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि फिल्म की शूटिंग अगले साल जनवरी से शुरू होगी। वहीं, फिल्म रिलीज होगी दिसंबर में जाकर। पोस्ट में लिखा है, 6 जनवरी 2025 को एक शानदार सिनेमाई यात्रा शुरू होने जा रही है। फिल्म 5 दिसंबर 2025 को रिलीज होगी। इस पोस्ट में तृप्ति और शाहिद के अलावा नाना पाटेकर और रणदीप हुड्डा भी नजर आएंगे।

यह फिल्म स्वतंत्रता के बाद के युग में अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित है। शाहिद इसमें गैंगस्टर के रोल में दिखेंगे। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट की कई दिलचस्प फिल्में रिलीज होने वाली हैं। शाहिद और तृप्ति की फिल्म के अलावा सलमान खान अभिनीत सिकंदर भी कतार में है। यह फिल्म अगले साल ईद के अवसर पर रिलीज होगी।

पीठ की खुजली मिटाने की नौकरी 1 घंटे के मिलते हैं 11 हज़ार रुपये

नौकरियों की बात करें, तो हमें कुछ पारंपरिक नौकरियां ही दिमाग में आती हैं, जिनमें पैसा भी मिले और इज्जत भी। हालांकि अब वक्त बदल चुका है और लोग काम को सिर्फ काम मानने लगे हैं। उन्हें अगर अच्छा पैसा मिल रहा है, तो वे इस बात की परवाह नहीं करते कि काम क्या करना है। खासतौर पर विदेशों में आपको ऐसे तमाम प्रोफेशन मिलेंगे, जो कम मेहनत में अच्छा पैसा दिलाते हैं। दुनिया में कुछ ऐसी नौकरियां भी हैं, जिनके बारे में कोई सोच भी नहीं सकता है। ऐसी ही अजीबोगरीब नौकरी के बारे में हम आपको बताएंगे, जिसे आप शायद जॉब मानने से भी इनकार कर दें, लेकिन ये अच्छी कमाई करा रहा है। ये नौकरी है लोगों की पीठ खुजाने की, जिसे हम यूं ही किसी न किसी से करा लेते हैं पर एक ऐसी जगह भी है, जहां पर इसके लिए पार्लर है। ऑडिटी सेंट्रल की रिपोर्ट के मुताबिक टोनी जॉर्ज नाम की एक महिला ने इस सर्विस की शुरुआत की है, जिसका नाम The Scratcher Girls रखा है। जैसा कि नाम से ही पता चल रहा है, इसमें लड़कियां ही नौकरी करती हैं, जिनके नाखून थोड़े बड़े होते हैं। 55 साल की टोनी का कहना है कि उन्हें बचपन से ही पीठ खुजाने में मज़ा आता था, ऐसे में उन्होंने सोचा कि खासतौर पर मोटे लोगों को ये सुख देने के लिए सर्विस शुरू की जाए। अब ये उनका प्रोफेशन बन चुका है, जिसके लिए 11 हज़ार रुपये प्रति घंटे के हिसाब से चार्ज लिया जाता है। स्क्रैचर गर्ल्स के नाखून 3 इंच लंबे होते हैं और बाकायदा मैनीक्योर किए हुए होते हैं। 1 घंटे के सेशन में अपने नाखूनों से थैरेपिस्ट्स क्लाइंट की पीठ, हाथ, स्कैल्प और कान के अंदर भी कुछ इस तरह खुजली करती हैं कि उन्हें आराम मिलता है। ये सर्विस मेट्रोपॉलिटन सिटीज़ जैसे न्यूयॉर्क, लॉस एंजेलस और फिलाडेल्फिया में काफी लोकप्रिय है, जिसे लोग खूब पसंद करते हैं। टोनी बताती हैं कि उन्होंने काफी रिसर्च करने के बाद इसे मार्केट में लॉन्च किया है और इसका रेस्पॉन्स बेहतरीन मिल रहा है।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है दुनिया का सबसे अमीर भिखारी

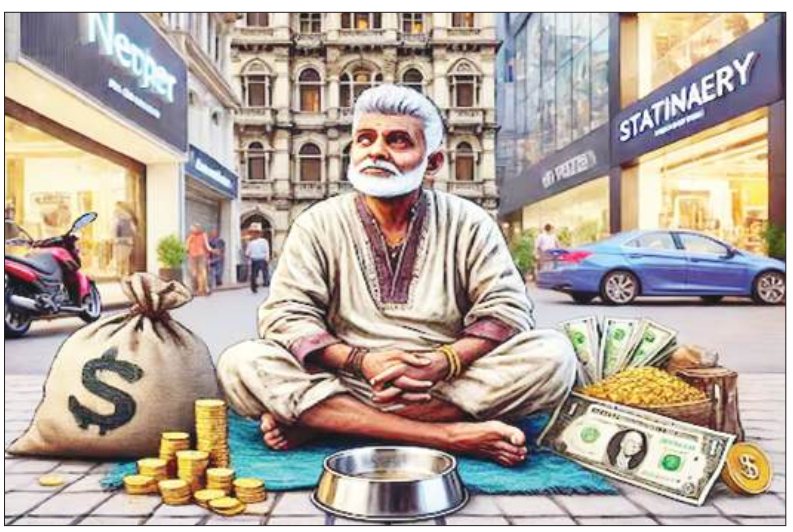

भीख मांगकर 7.5 करोड़ की सम्पत्ति अर्जित की इस भिखारी ने, दो घर और दुकाने भी हैं

मुंबई के एक व्यक्ति को दुनिया का सबसे अमीर भिखारी कहा जा रहा है। कारण? यह व्यक्ति केवल भीख मांगकर ही 7.5 करोड़ रुपये की संपत्ति और 1.5 करोड़ रुपये की दो फ्लैट्स का मालिक बन चुका है। इस व्यक्ति का नाम भारत जैन है। भारत जैन के पास एक स्टेशनरी की दुकान भी है, जो उनकी आमदनी को और बढ़ाती है। हालांकि उनके परिवार को उनका भीख मांगना पसंद नहीं है, लेकिन भारत जैन इसे छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। भारत जैन ने बताया, मुझे भीख मांगना पसंद है, और मैं इसे छोड़ना नहीं चाहता। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें मंदिरों में दान करना अच्छा लगता है। उन्होंने कहा, मैं लालची नहीं हूं, बल्कि उदार हूं। भारत जैन बिना रुके रोज 12 घंटे तक भीख मांगते हैं। इस दौरान वे प्रतिदिन करीब 2,500 रुपये कमाते हैं। पिछले 40 वर्षों से भीख मांगना ही उनका मुख्य आय का स्रोत बना हुआ है। इससे वे हर महीने करीब 75,000 रुपये कमा लेते हैं।

भारत जैन के पास मुंबई में दो फ्लैट्स के अलावा ठाणे में दो दुकानें भी हैं। इन दुकानों से उन्हें हर महीने करीब 30,000 रुपये का किराया मिलता है। भारत जैन अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनके

परिवार में उनकी पत्नी, दो बच्चे, पिता और भाई शामिल हैं। उनके बच्चे एक प्रतिष्ठित कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ते थे। अब उनकी पढ़ाई पूरी हो चुकी है और वे परिवार के स्टेशनरी स्टोर को संभालने में मदद करते हैं। भारत जैन का परिवार उन्हें भीख मांगने से रोकने की कोशिश करता है, लेकिन भारत का कहना है कि उन्हें इसमें खुशी मिलती है। उनका यह जीवन अब चर्चा का विषय बन चुका है, और लोग हैरान हैं कि कोई केवल भीख मांगकर इतनी बड़ी संपत्ति का मालिक कैसे बन सकता है।

पुलिस की बर्बरता की वजह से गई कांग्रेस कार्यकर्ता की जान : अजय

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोले- परिवार को दिए जाएं एक करोड़ रुपये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पार्टी के नेता गांधीवादी तरीके से विरोध जता रहे हैं। पुलिस ने बर्बरता की, जिसकी वजह से एक कार्यकर्ता की मौत हुई है। कानपुर निवासी आफताब जाफरी सहित कई घायल हुए हैं। दम तोड़ने वाले प्रभात पांडेय ने अपनी पिटाई के बारे में दो कार्यकर्ता जुनैद विक्रम कुरैशी व एक अन्य को बताया था। पानी पीने के बाद वह कार्यालय आ गए थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत पुलिस की बर्बरता की वजह से हुई है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री मृतक प्रभात पांडेय के परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दें। परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ओर से मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये की मदद दी जाएगी। उन्होंने मांग की कि दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हो। कांग्रेस की ओर से भी हुसैनगंज थाने में तहरीर दी गई है।

शांतिपूर्व लोकतांत्रिक विरोध को पुलिस ने दबाने की कोशिश की : अविनाश पांडेय

प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि गुवाहाटी में मृदुल इस्लाम और लखनऊ में प्रभात पांडेय की विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई मौत से मन दुखी है। शांतिपूर्व लोकतांत्रिक विरोध को पुलिस ने बर्बरता के जरिए दबाने का प्रयास किया है।

शोक सभा

कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत को लेकर बृहस्पितवार को सुबह 11 बजे प्रदेश मुख्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत मामले की जांच के लिए कांग्रेस कार्यालय पहुंची पुलिस

कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभात पांडेय की मौत की जांच के लिए पुलिस टीम बृहस्पतिवार सुबह कांग्रेस कार्यालय पहुंच गई है। डीसीपी मध्य रवीना त्यागी के मुताबिक कांग्रेस दफ्तर के केयरटेकर के बयान दर्ज किए जाएंगे। सीसीटीवी फुटेज को जब्त किया जाएगा। प्रदर्शन का आह्वान करने वाले और इसमें शामिल लोगों से पूछताछ की जाएगी और सभी के बयान दर्ज किए जाएंगे। इसके पहले बुधवार देर रात फोरेंसिक टीम कांग्रेस कार्यालय पहुंची। फोरेंसिक टीम ने यहां साक्ष्य संकलित किए।प्रभात के मोबाइल फोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। यह भी जानकारी की जाएगी कि उनके साथ गोरखपुर से कौन-कौन लोग आए थे और प्रदर्शन के दौरान प्रभात के साथ कौन लोग थे। साक्ष्य संकलन के आधार पर जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दर्ज हो चुकी है हत्या की एफआईआर

प्रभात पांडेय की मौत के मामले में उनके चाचा विज्ञान खंड गोमतीनगर निवासी मनीष ने हुसैनगंज थाने में अज्ञात के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज कराई है। मनीष के मुताबिक प्रभात एमिटी यूनिवर्सिटी के सामने पीजी में रहते थे। बुधवार शाम को 4:15 बजे उनके पास कांग्रेस दफ्तर से फोन आया था। बताया गया कि आपके भतीजा कांग्रेस दफ्तर में दो घंटे से बेहोश पड़े हैं। मनीष ने फौरन अपने परिचित संदीप को प्रभात के पास कार्यालय भेजा।

भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाएं : नवीन पटनायक

» ओडिशा के पूर्व सीएम ने कार्यकर्ताओं से की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर । बीजू जनता दल के 28वें स्थापना दिवस से पहले पार्टी प्रमुख नवीन पटनायक ने सदस्यों से ओडिशा के लोगों की सेवा के लिए समर्पित रहने का आग्रह किया। बीजद का 28वां स्थापना दिवस 26 दिसंबर को है। पार्टी ने आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि और अन्य मुद्दों को उजागर करने के लिए छह जनवरी को भुवनेश्वर में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन की घोषणा की।

पटनायक ने पार्टी समर्थकों से राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की 'जनविरोधी' नीतियों के खिलाफ आवाज उठाने और बढ़ती महंगाई के प्रभाव को उजागर करने को कहा। बीजद अध्यक्ष ने कहा, पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि रोकने और चुनाव में किये गए वादों को पूरा करने में राज्य की भाजपा सरकार कीविफलता को जनता तक पहुंचाने की जरूरत है। सभी पार्टी पदाधिकारियों को लिखे एक खुले पत्र में पटनायक ने कहा कि बीजद का 28वां स्थापना दिवस सभी विधानसभा क्षेत्रों में मनाया जाएगा। पटनायक ने कहा कि क्षेत्रीय पार्टी 27 वर्षों से ओडिशा के लोगों की सेवा के लिए पूरी तरह समर्पित है''। भाजपा ने राज्य में सरकार बनाई है, लेकिन लोगों ने अधिकतम वोट बीजद को दिए हैं। बीजद की स्थापना 26 दिसंबर 1997 को हुई थी और इसका नाम इसके दिग्गज नेता बीजू पटनायक (नवीन पटनायक के पिता) के नाम पर रखा गया था।

राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में गवाही दर्ज

» छह जनवरी को होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। समुदाय विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में बुधवार को गवाही दर्ज की गई। एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने मामले में अगली सुनवाई के लिए छह जनवरी की तिथि नियत की है।

कोतवाली नगर के घरहा खुर्द गांव निवासी मो. अनवर ने वर्ष 2013 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद कोर्ट में दायर किया था। उनका आरोप है कि 24 अक्तूबर 2013 को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश के इंदौर में चुनावी सभा में कहा था कि उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के दंगा पीड़ित युवक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संपर्क साध रहे हैं।

विकास के नाम पर कश्मीर की धरोहर को नष्ट किया जा रहा है : महबूबा मुफ्ती

» बोलीं- जमीन, वन और संसाधन खतरे में हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बकश्मीर में कुछ विकास परियोजनाओं के उस पर प्रभाव को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विकास पर्यावरण और संसाधनों की कीमत पर नहीं आना चाहिए।

महबूबा मुफ्ती, जो जम्मू और कश्मीर राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री रह चुकी हैं, उन्होंने ये तीन परियोजनाओं पर चिंता व्यक्त की राजौरी-बारामुला हाईवे, गलंदर से गांदरबल तक रिंग रोड और रेलवे लाइन का विस्तार। हमारी जमीन, वन और संसाधन खतरे में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कश्मीर घाटी के अधिकांश जिलों में कृषि भूमि इन परियोजनाओं से प्रभावित हो रही है। यह संदेह पैदा करता है कि क्या इनकी आत्मा को जम्मू-कश्मीर के विनाश से संतुष्टि नहीं मिली और अब वे हमारी जमीनों के पीछे हैं। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यह अनियोजित विकास कश्मीर में ऐसी आपदाओं का कारण बन सकता है, जैसी उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जोशीमठ में देखी गई थीं।

एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक पेश किए जाने का विरोध जारी रहेगा : उमर

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अबदुल्ला ने कहा है मैं सच बोलना बंद नहीं करूंगा, क्योंकि मैं मुख्यमंत्री बन गया हूं। उनकी पार्टी ने एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक पेश किए जाने का विरोध किया है और भविष्य में भी इसका विरोध जारी रहेगा। सीएम ने कहा कि मैंने बार-बार कहा है कि अगर आपको ईवीएम से शिकायत है तो आपको इसे पूरे साल बनाए रखना चाहिए। अगर आपको ईवीएम पसंद नहीं है तो कोई दूसरा विकल्प सुझाएं। क्या हम भूल गए हैं कि बैलेट पेपर के साथ क्या हुआ था। कैसे बैलेट पेपर को बक्से में भरा गया था। मैं नहीं भूला हूं। मेरा पहला चुनाव बैलेट पेपर पर हुआ था, मेरा दूसरा चुनाव भी बैलेट पेपर पर हुआ। अगर ईवीएम नहीं तो विकल्प क्या है।

मेरे लिए संन्यास सुकून का पल : अश्विन

» चेन्नई लौटने पर गेंदबाज का ढोल-नगाड़ों और तालियों के साथ हुआ स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद चेन्नई लौट चुके हैं। गुरुवार को अश्विन के आवास पर उनका जोरदार स्वागत हुआ। जैसे ही अश्विन की कार उनके घर के गेट के पास आकर रुकी, ढोल-नगाड़ों और तालियों से उनका स्वागत हुआ। अश्विन के साथ उनकी पत्नी प्रीति और दोनों बेटियां भी रहीं।

अश्विन के आवास पर उनके माता पिता के अलावा कई और लोग मौजूद रहे। सभी ने अश्विन के लिए तालियां बजाईं और उन पर फूलों का बारिश की गई। वहां मौजूद लोगों ने उन्हें माला पहनाई। अश्विन के पिता रविचंद्रन ने उन्हें गले लगाया, जबिक मां भावुक दिखीं। रविचंद्रन ने बेटे का माथा भी चूमा। इस दौरान दोनों भावुक नजर आ रहे थे। अश्विन ने मीडिया को कहा कि संन्यास कई लोगों के लिए भावुक कर देने वाला पल होता है, लेकिन उनके लिए यह सुकून के पल हैं। अश्विन बिना किसी शोर शराबे के स्वदेश लौट आए। चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के स्थानीय अधिकारी अश्विन को बाहर लेकर आए। इस बीच प्रशंसकों ने उनकी तस्वीरें ली, लेकिन वह मीडियाकर्मियों से बात किए बिना अपने घर चले गए।

अश्विन एक क्रिकेटर के तौर पर खत्म नहीं होगा

अश्विन ने मीडिया से भी बातचीत की। उन्होंने कहा- मैं आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने जा रहा हूं। और इसमें हैरानी नहीं होनी चाहिए अगर में लंबे समय तक खेलने की कोशिश करता हूं और इस टीम के लिए खेलने की इच्छा रखता हूं। मुझे भी आश्चर्य नहीं होगा। मुझे नहीं लगता कि अश्विन एक क्रिकेटर के तौर पर खत्म हो गया है। मुझे लगता है कि अश्विन ने भारतीय क्रिकेटर के तौर पर जरूर अपना काम खत्म कर लिया है। बस इतना ही कहना है। जब उनसे पूछा गया कि क्या संन्यास लेना एक कठिन फैसला था, तो उन्होंने कहा,ऐसा नहीं है। यह बहुत से लोगों के लिए भावनात्मक है। यह भावनात्मक होगा, शायद यह पल भी बीत जाएगा। लेकिन मेरे लिए, यह राहत की एक सुकून और संतुष्टि का पल है। यह कुछ समय से मेरे दिमाग में चल रहा था, लेकिन संन्यास का एलान करना बहुत सहज था। मैंने इसे गाबा टेस्ट के चौथे दिन महसूस किया और पांचवें दिन इसका एलान कर दिया।

योगी सरकार के खिलाफ विपक्ष ने बोला हल्ला, पूरे राज्य में प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत को लेकर पार्टी नेता और कार्यकर्ताओं ने लखनऊ समेत पूरे राज्य में जमकर विरोध प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पुतला फूंका। इस दौरान एक कांग्रेसी आग की चपेट में आने से झुलस गया। दरअसल बुधवार को लखनऊ में कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान एक कार्यकर्ता प्रभात पांडेय की मौत को लेकर बृहस्पतिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं व नेताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रदेश सरकार के खिलाफ आक्रोश जाहिर किया। उन्होंने पार्टी कार्यालय के मुख्य द्वार पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पुतला जलाया। एनएसयूआई का कार्यकर्ता अक्षत सिंह आग की चपेट में आ गया और झुलस गया। उधर कालेसर बगहा बाबा मुक्तिधाम में कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभात पांडेय के अंतिम संस्कार के दौरान हंगामा होने लगा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के पहुंचने पर वहां मौजूद लोगों और परिजनों ने पहले उन्हें किनारे कर दिया फिर काफी कहने पर आगे जाने दिया। इस दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ता पुलिस और सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे, जबकि अन्य लोग राहुल और प्रियंका गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। वहां मौजूद लोगों ने एक पार्टी के लोगों द्वारा कांग्रेस पार्टी के नेताओं पर बुलाकर मरवाने का आरोप लगाना शुरू कर दिया। इसी बीच तनाव बढ़ता देख पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा।

कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत के विरोध में एनएसयूआई के समर्थकों ने हजरतगंज चौराहे पर योगी सरकार का पुतला फूंका और वहीं अमित शाह के पोस्टर पर कालिख भी पोती।

प्रदर्शन का गुरुवार

फोटो: सुमित कुमार

समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज स्थित अंबेडकर प्रतिमा के सामने अमित शाह के अंबेडकर पर दिये बयान के विरोध में प्रदर्शन किया।

अंबेडकर पर शाह के दिये बयान पर थमा नहीं बवाल, पूरे देश में उबाल

कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने एनडीए सरकार को घेरा, संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने विरोध मार्च निकाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अंबेडकर पर संसद में गृहमंत्री अमित शाह के दिए बयान पर दूसरे दिन भी पूरे देश हंगामा जारी रहा है। कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर धरना प्रदर्शन तो किए ही गृहमंत्री अमित शाह का पुतला भी फूंका। यूपी में जहां सपा व कांग्रेस ने सड़क पर बाबा साहब की तस्वीर लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। वहीं दिल्ली से लेकर मुंबई तक कांग्रेस भाजपा के खिलाफ जोरदार धरना प्रदर्शन किया।

वंही अंबेडकर विवाद पर विपक्षी सांसदों ने संसद के बाहर प्रदर्शन किया। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, कांग्रेस जनता को धोखा देने की कोशिश कर रही है। वे बाबा साहब अंबेडकर के नाम पर फर्जी जानकारी फैला रहे हैं। हम यहां सच बताने आए हैं। अंबेडकर को परिषद से किसने हटाया? उन्हें चुनाव किसने हारा दिया? कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब के जन्मस्थान पर उनके स्मारक के निर्माण में 40 साल की देरी की। ये उन्हें नहीं दिखता।

केजरीवाल ने नीतीश-नायडू को लिखा पत्र

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखा है। केजरीवाल ने लिखा, गृहमंत्री का बयान न केवल अपमानजनक है बल्कि भाजपा की बाबासाहेब और हमारे संविधान के प्रति सोच को उजागर करता है। देश भर में करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। ये बयान देने के बाद अमित शाह जी ने माफी मांगने की बजाय अपने बयान को उचित ठहराया। अरविंद केजरीवाल ने लिखा, मैं आपको यह पत्र एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर लिख रहा हूं, जो न केवल हमारे संविधान बल्कि बाबासाहेब अम्बेडकर की प्रतिष्ठा से भी जुड़ा है। दिल्ली के पूर्व सीएम ने आगे लिखा,बाबासाहेब के बारे में ऐसा कहने का साहस आखिर भाजपा ने कैसे किया?

गृहमंत्री ने लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई : सुदय यादव

जहानाबाद। गृहमंत्री अमित शाह की ओर से लोकसभा में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर पर दिए गए बयान को लेकर राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। इस बयान के खिलाफ जहानाबाद में राजद कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रतिशोध मार्च निकाला और अरवल में अमित शाह का पुतला फूंका। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे स्थानीय विधायक सुदय यादव ने गृह मंत्री के बयान को 'अत्यंत निंदनीय' करार दिया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर ने भारत के संविधान का निर्माण कर देश को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया। गरीब, पिछड़े और दलित समाज को मुख्यधारा में लाने के लिए उनके प्रयासों को दुनिया सलाम करती है।

मासूमों के साथ ज्यादती कर रही भाजपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बच्चे पूछ रहे- सीएम सर! यह क्या हो रहा है

» बिना स्वेटर-शॉल स्कूल जा रहे नौनिहाल पारा 11 डिग्री के नीचे

लखनऊ। खबर कौशाम्बी जिले से हैं लेकिन इस तरह की तस्वीरें पूरे उत्तर प्रदेश से आ रही है। इन तस्वीरों ने विचलित कर दिया है और अदम गोंडवी की वह लाइनें बिल्कुल सच साबित हो रही है जिसमें उन्होंने लिखा था कि तुम्हारी फाइलों में गांव का मौसम सुहाना है, सरकारी फाइलों में उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था सदृढ़ रूप से आगे बढ़ा रही है। स्कूल ड्रेस के साथ मिड डे मील खाकर बच्चे हष्ट-पुष्ट हो रहे हैं। जी हां किसी भी सरकारी अधिकारी से जब आप पूछेंगे तो वह यही कहेगा लेकिन जब जमीनी हकीकत सामने आयेगी तो पैरों तले जमीन खिसक जाएगी।

आखिर गलती किस की है, सरकार की, सिस्टम की या फिर अभिभावक की। आप जिसे चाहिए दोषी ठहराईये मर्जी आप की लेकिन हकीकत यह है कि 11 डीग्री सेल्सियस में बिना गर्म कपड़े , जूता मोजा पहने बच्चे स्कूल जाने के लिए मजबूर है। कौशांबी जिले में आज सुबह 9 बजे पारा 11 डिग्री सेल्सियस रहा। पारा लगातार कम हो रहा है। इस तापमान में सर्द हवाएं भी ठंड को और बढ़ा रही हैं। इस स्थिति में भी बच्चे बिना स्वेटर के स्कूल पहुंच रहे हैं। जहां बदहाल कमरों में टूटे खिड़की दरवाजे से आती ठंडी हवा की मार भी सहते हुए पड़ने को मजबूर हैं।

उपस्थिति भी हो रही है कम

तेज होती ठंड का असर स्कूलों में छात्र छात्राओं की उपस्थिति पर भी पड़ने लगा है। स्कूलों में बच्चों की मौजूदगी कम होने लगी है। इसका अहम कारण बच्चों के पास गर्म कपडों का अभाव और स्कूल भवन में मौसम की मार से बचाव की माकूल व्यवस्था न होना है। यूपी के ज्यादातर प्राइमरी स्कूलों में ठंड से बचने के व्यापक साधन नहीं है। ऐसे में अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजना मुनासिब नहीं समझते।

प्रदर्शनकारी किसानों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की चिकित्सा जांच नहीं कराने पर पंजाब सरकार को फटकार लगाई।

पंजाब के अधिकारियों के माध्यम से किसान नेता द्वारा मुद्दे के समाधान की इच्छा जताए जाने के बाद न्यायालय ने कहा कि डल्लेवाल के ठीक होने पर अदालत उनसे बात करेगी। कोई भी किसानों को विरोध प्रदर्शन से डिगाने की कोशिश नहीं कर रहा है, केवल उनके नेता डल्लेवाल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है।

अमित शाह को बचाने की साजिश : प्रियंका

» धक्का-मुक्की कांड पर भाजपा पर बरसीं कांग्रेस सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सांसदों पर जमकर निशाना साधा। प्रियंका ने उन सांसदों को संसद भवन परिसर में जय भीम का नारा लगाने की चुनौती दी, जो उनकी पार्टी पर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगा रहे थे। उन्होंने कहा कि लोगों को यह भ्रम नहीं होना चाहिए कि भाजपा संविधान की रक्षा

कर रही है, क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भाषा उनके असली चेहरे को दिखाती है। यह सब अमित शाह को बचाने के लिए किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता ने कहा, हम रोज सुबह 10 से 11 बजे तक विरोध प्रदर्शन करते हैं, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। यह सब एक साजिश है। जो हमें रोक रहे थे, हमने उनसे कहा था कि जय भीम बोलकर दिखाएं। हमने कुछ नहीं कहा, बस अपने संविधान के लिए नारे लगाए। अगर इस देश के लोग सोचते हैं कि ये लोग संविधान की रक्षा कर रहे हैं, तो उन्हें भ्रम में नहीं रहना चाहिए, क्योंकि अमित शाह की भाषा ने उनकी असलियत को उजागर कर दिया। वह जय भीम भी नहीं कह सकते। मैं उन्हें चुनौती देती हूं कि यहां आकर जय भीम बोलकर दिखाएं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।